



रत्न देखभाल चार्ट

25 रत्नों के लिए अल्ट्रासोनिक और भाप की सुरक्षा, कठोरता और हर रत्न क्या नहीं सह सकता। GIA के देखभाल निर्देशों के अनुसार।

अल्ट्रासोनिक और भाप					सुरक्षित विधि (GIA)					रखरखाव				
[सुरक्षित] इस रत्न के लिए आम तौर पर सुरक्षित।					गुनगुना साबुन का पानी और नरम ब्रश					जवाहरात को नरम थैलियों या खानों वाले डिब्बों में अलग-अलग रखें: हीरा तथा कोरंडम नरम रत्नों और धातुओं को खरोंचते हैं। भारी हाथ के काम के लिए अंगूठियाँ उतार दें और प्रॉन्ग जँचवा लें, क्योंकि घिसी हुई सेटिंग पत्थर छोड़ सकती है।				
[सावधानी] हर रत्न पर अलग निर्भर करता है। टिप्पणी पढ़ें।					अल्ट्रासोनिक या भाप नहीं									
हमारी योजना, GIA के शब्दों से बनाई गई					पन्ना, ओपल, मोती, तंज़ानाइट, फ़िरोज़ा									
रत्न	मोह्स	अल्ट्रासोनिक	भाप	टिप्पणियाँ										
हीरा	10	[सावधानी]	[सावधानी]	GIA घर पर अल्ट्रासोनिक तथा भाप क्लीनर से मना करता है, क्योंकि कंपन सेटिंग ढीली कर सकता है; जौहरी वस्तुओं को पहले जाँचते हैं।										
माणिक (बिना उपचार या तापित)	9	[सुरक्षित]	[सुरक्षित]	जालक-विसरित पत्थरों के लिए भी सुरक्षित। बोरिक अम्ल का चूर्ण बिना उपचार वाले कोरंडम को भी खा जाता है।										
माणिक (काँच से भरा)	9	[टालें]	[टालें]	GIA: सीसा-युक्त काँच नींबू के रस जैसे हल्के रसायनों से भी बदल जाता है, इसलिए दरार-भरे, गुहा-भरे या रंगे माणिक पर केवल गीला कपड़ा।										
नीलम (बिना उपचार या तापित)	9	[सुरक्षित]	[सुरक्षित]	दरार भरे, गुहा भरे या रंगे गए नीलमों को केवल गीले कपड़े से साफ़ करना चाहिए।										
अलेक्जेंड्राइट	8.5	[सुरक्षित]	[सुरक्षित]	GIA दोनों को आम तौर पर सुरक्षित बताता है; दरारें भरी गई हों तो केवल गुनगुना साबुन का पानी काम में लें।										
स्पिनेल	8	[सावधानी]	[सावधानी]	आम तौर पर सुरक्षित, पर दरारें दिक्कत बन सकती हैं; दुर्लभ दरार भरे पत्थरों को साबुन का पानी या गीला कपड़ा चाहिए।										
टोपाज़	8	[टालें]	[टालें]	आधारी विदलन उसे चिरने की ओर ले जाता है; तापमान के तेज़ बदलाव उसे तोड़ सकते हैं। लेपित टोपाज़ को कोमल सफ़ाई चाहिए।										
पन्ना	7.5–8	[टालें]	[टालें]	अधिकांश पन्ने दरार भरे होते हैं; कंपन दरारें बिगाड़ सकता है और भाप तेल या रेज़िन बाहर खींच सकती है।										
एक्वामरीन	7.5–8	[सावधानी]	[सावधानी]	आम तौर पर सुरक्षित, बशर्ते पत्थर में तरल इंकलूजन या दरारें न हों; दुर्लभ दरार भरे पत्थरों को केवल साबुन का पानी चाहिए।										
मॉर्गनाइट	7.5–8	[सावधानी]	[सावधानी]	आम तौर पर सुरक्षित, बशर्ते पत्थर में तरल इंकलूजन या दरारें न हों; ताप से बचें।										
टूरमैलीन	7–7.5	[टालें]	[टालें]	तेज़ ताप रंग बदल सकता है और तापमान का अचानक बदलाव उसमें दरार डाल सकता है।										
एमेथिस्ट	7	[सावधानी]	[टालें]	अल्ट्रासोनिक आम तौर पर सुरक्षित है, सिवाय रंगे या दरार भरे पत्थरों के; अचानक ताप उसमें दरार डाल सकता है।										
सिट्रीन	7	[सावधानी]	[टालें]	अल्ट्रासोनिक आम तौर पर सुरक्षित है, सिवाय दुर्लभ रंगे या भरे पत्थरों के; GIA कहता है कि सिट्रीन को गर्म नहीं करना चाहिए।										
गार्नेट	6.5–7.5	[सावधानी]	[टालें]	अल्ट्रासोनिक आम तौर पर सुरक्षित है, बशर्ते पत्थर में दरार न हो; भाप किसी भी गार्नेट के लिए सुझाई नहीं जाती।										
पेरिडॉट	6.5–7	[टालें]	[टालें]	तेज़ या असमान ताप उसमें दरार डाल सकता है; सल्फ़्यूरिक अम्ल और, समय के साथ, अम्लीय पसीना उसे खाते हैं।										
कुंज़ाइट	6.5–7	[टालें]	[टालें]	दो दिशाओं में पूर्ण विदलन; लंबे ताप या तीव्र प्रकाश से रंग फीका पड़ सकता है।										
जेड (जेडाइट, नेफ़्राइट)	6–7	[सावधानी]	[सावधानी]	बिना उपचार वाले जेड के लिए सुरक्षित; रंगे, ब्लीच किए, संसेचित या लेपित जेड को केवल गुनगुना साबुन का पानी मिलना चाहिए।										
ज़र्कन	6–7.5	[टालें]	[टालें]	नीलम से अधिक भंगुर; ताप रंग बदल सकता है, और कुछ ताप-उपचारित पत्थर तेज़ प्रकाश में पलट जाते हैं।										
तंज़ानाइट	6–7	[टालें]	[टालें]	GIA कहता है कि कभी सुझाया नहीं जाता; विदलन तथा ठीक से घटिया टिकाऊपन, तापमान के अचानक बदलाव के प्रति संवेदी।										
मूनस्टोन	6–6.5	[टालें]	[टालें]	GIA कहता है कि कभी सुझाया नहीं जाता; विदलन की दो दिशाएँ, और ताप या तापमान का अचानक बदलाव उसे तोड़ सकता है।										
ओपल	5–6.5	[टालें]	[टालें]	गुनगुना साबुन का पानी ही एकमात्र सुरक्षित विधि है; ताप या तापमान का अचानक बदलाव जालीदार दरारें या टूट पैदा कर सकता है।										
फ़िरोज़ा	5–6	[टालें]	[टालें]	भाप या अल्ट्रासोनिक कभी नहीं; ताप तथा विलायक उपचारित सतहों को नुकसान पहुँचाते हैं, और त्वचा के तेल तथा प्रसाधन उसका रंग बिगाड़ते हैं।										
लाजवर्द	5–6	[टालें]	[टालें]	GIA के 4Cs सफ़ाई मार्गदर्शन में लापिस उन ताप-संवेदी पत्थरों में गिना गया है जिन्हें अल्ट्रासोनिक से साफ़ नहीं करना चाहिए; गुनगुना साबुन का पानी, रंगे पत्थरों को पहले परखकर।										
मोती	2.5	[टालें]	[टालें]	GIA कहता है कि कभी नहीं; इत्र, प्रसाधन-सामग्री और पसीने के अम्ल उसे नुकसान पहुँचाते हैं। पहनने के बाद नरम कपड़े से पोंछ लें।										
एम्बर	2–2.5	[टालें]	[टालें]	GIA का 4Cs मार्गदर्शन कहता है कि एम्बर को अल्ट्रासोनिक क्लीनर में नहीं डालना चाहिए; केवल गुनगुना पानी और हल्का साबुन। प्रकाश उसे गहरा करता है और रसायन उसे क्षति पहुँचाते हैं।										